रिपोर्ट टाइम्स मीडिया

शेखावाटी का सबसे विश्वसनीय डिजिटल ई पेपर

गुरुवार, 25 सितंबर 2025 | UAN: RJ210011677 | website: www.reporttimes.in

चिड़ावा शहर की झुंझुनूं रोड स्थित चिड़ावा कॉलेज खेल मैदान में श्याम दरबार सजा। इस दौरान प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल को सुनने लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। (विस्तृत खबर पेज दो पर) फोटो : संजय दाधीच, ब्यूरो हेड रिपोर्ट टाइम्स

भारत ने रेल से कर दिया अग्नि प्राइम मिसाइल का परीक्षण

रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से परीक्षण

एजेंसी. नई दिल्ली। भारत ने रक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी DRDO ने अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण में खास बात ये है कि मिसाइल को रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से लॉन्च किया गया है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने आधिकारिक X हैंडल से इस मिसाइल टेस्ट के बारे में जानकारी दी है और परीक्षण का वीडियो भी शेयर किया है।

रेल लॉन्चर से पहला प्रक्षेपण : राजनाथ सिंह ने मिसाइल टेस्ट के बारे में बताया है कि ये विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया अपनी तरह का पहला प्रक्षेपण है। ये बिना किसी पूर्व शर्त के रेल नेटवर्क पर चलने की क्षमता रखता है। इसकी मदद से उपयोगकर्ता को देश भर में गतिशीलता प्राप्त होती है और कम विजिबिलिटी के साथ कम प्रतिक्रिया समय में मिसाइल लॉन्च करने की सुविधा मिलती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर DRDO, सामरिक बल कमान (SFC) और सशस्त्र बलों को बधाई दी है। राजनाथ सिंह ने बताया है कि इस सफल परीक्षण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास चलते-फिरते रेल नेटवर्क से कैनिस्टराइज्ड लॉन्च सिस्टम विकसित करने की क्षमता है।

अग्नि-प्राइम मिसाइल की खूबियां : अग्नि-प्राइम उन्नत पीढ़ी की मिसाइल है जो कि 2000 किलोमीटर तक की मारक क्षमता के लिए डिजाइन की गई है। इस मिसाइल को कई आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। अग्नि प्राइम मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) की ओर से डिजाइन और विकसित किया गया है। ये मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। नयी पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम हाई लेवल की सटीकता के साथ मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा करती है।

भारत की अन्य घातक मिसाइलें : आपको बता दें कि भारत के पास अग्नि-1 से लेकर अग्नि- 5 तक की भी मिसाइलें मौजूद हैं। अग्नि-1 से अग्नि-4 तक, मिसाइलों की रेंज 700 किमी से लेकर 3,500 किमी तक है। वहीं, अग्नि-5 की रेंज 5000 किलोमीटर तक की है। इसकी जद में चीन का सुदूर उत्तर क्षेत्र और यूरोप के कुछ क्षेत्र सहित एशिया आता है।

प्रधानमंत्री मोदी का आज राजस्थान और उत्तरप्रदेश का दौरा, देंगे बड़ी सौगात

राधिका की नहीं थी एकेडमी: बाप ने पहले कहा था

रिपोर्ट टाइम्स | नई दिल्ली

रिपोर्ट टाइम्स. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तर प्रदेश और राजस्थान का दौरा करेंगे। वे ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित यह विशाल कार्यक्रम 25 से 29 सितंबर तक चलेगा, जिसमें उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, कृषि, सांस्कृतिक और नवाचार क्षमताएं वैश्विक मंच पर प्रदर्शित की जाएंगी।

इसके बाद, वे राजस्थान जाएंगे, जहां वे 1,22,100 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इस दौरान, वे बांसवाड़ा में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे और पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री अनुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (ASHVINI) की माही बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (4X700 MW) का भी शिलान्यास करेंगे, जिसकी लागत लगभग 42,000 करोड़ रुपये है। यह परियोजना देश के सबसे बड़े परमाणु संयंत्रों में से एक होगी।

प्रधानमंत्री मोदी आज देंगे बड़ी सौगात

पीएम मोदी तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे

रेल संपर्क को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री 3 ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे जिनमें बीकानेर और दिल्ली कैंट के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जोधपुर और दिल्ली कैंट के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन और उदयपुर सिटी-चंडीगढ़ एक्सप्रेस शामिल हैं। ये ट्रेनें राजस्थान और अन्य उत्तरी राज्यों के बीच संपर्क को महत्वपूर्ण रूप से बेहतर करेंगी।

महाराजा एक्सप्रेस से वृंदावन पहुंचेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

रिपोर्ट टाइम्स. नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को महाराजा एक्सप्रेस से वृंदावन पहुंचेंगी। भारतीय रेलवे राष्ट्रपति मुर्मू को नयी दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से मथुरा के पास वृंदावन रोड स्टेशन तक ले जाएगा। दुनिया की सबसे शानदार ट्रेन में से एक महाराजा एक्सप्रेस सर्दियों के दौरान उच्च श्रेणी के पर्यटकों के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा संचालित की जाती है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, "18 डिब्बों वाली इस ट्रेन में महाराजा एक्सप्रेस के 12 डिब्बे होंगे, जिनमें एक प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्तरां, लाउंज और राष्ट्रपति और उनके कर्मचारियों के लिए पावर कार शामिल होंगी। इसमें रेलवे के वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए दो मानक एसी डिब्बे भी होंगे।" उन्होंने बताया, "निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रेन में दो इंजन लगाए जाएंगे। एक इंजन चालू रहेगा, जबकि दूसरा तकनीकी समस्याओं से निपटने के लिए रहेगा।"

ओ सांवरे मुझे तेरी जरूरत है...

श्याम प्रभु का सजा दरबार, गूंजते जयकारे, श्याम भक्ति में रंगे श्रोता

संजय दाधीच, रिपोर्ट टाइम्स. चिड़ावा। बुधवार की रात चिड़ावा के झुंझुनूं रोड पर स्थित चिड़ावा कॉलेज के खेलकूद परिसर में श्याम प्रभु का एक भव्य दरबार सजाया गया। रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते हुए इस दरबार ने अलग ही छटा बिखेरी। भजन गायक कन्हैया मित्तल के भजनों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया, और श्रोता श्याम भक्ति में डूबकर झूमने लगे।

कॉलेज ग्राउंड में बना पांडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा था। लोगों ने श्याम प्रभु के जयकारे लगाए और आरती व पूजा-अर्चना की। आयोजन के मुख्य कर्ता-धर्ता सुरेश भूकर और उनके साथी कलाकारों ने गायक कन्हैया मित्तल का माला पहनाकर स्वागत-सत्कार किया।

गायक कन्हैया मित्तल ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। उन्होंने "हे सांवरे मुझे तेरी चाहत है", "श्याम काम करे डंके की चोट पे", "हारा हूं बाबा", "मुझे रास आ गया है तेरे दर पे सर झुकाना", और "अच्छा किसी का कर ना सको तो..." जैसे भजन सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे, जिनमें भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया, सरिता भूकर, प्रधान रोहिताश धांगड़, एसडीएम डॉ. नरेश सोनी, नरोहित मील, विकास कटेवा कंवरपुरा, अभयसिंह बड़ेसरा, दिनेश दाधीच, राजकुमार राव, महेश मालानी, महेंद्र धनखड़, चौधरी, प्राचार्य सत्यनारायण कुलश्रेष्ठ, सीपी डॉ. ऋचा कलश्रेष्ठ, झंडीप्रसाद हिम्मतरामका, रणधीर भूकर, सुनील भूकर, रामसिंह नेहरा, पार्षद संतोष देवी, कुंदन कटेवा, बाबलाल वर्मा, नरंद्र गिरधर, अनिल रामभरोसा, संदीप हिम्मतरामका, राजेश झाइडिया, शंभू पंवार, महेश मोदी, एडवोकेट विजयपाल सिट, विकास चाहर, कैलाश सिंह कविया, संजय चौधरी, प्रो. केएम मोदी, संदीप हिम्मतरामका, इंद्र सूरजगड़िया, पिलानी सीआई रणजीत सेवदा, कमलकांत पुजारी, बबलू गोयल, संदीप भूकर, बृजेश पूनियां, धीरेंद्र ओला, आशीष जांगिड़, और विकास संदीप मांजू शामिल थे।

कन्हैया मित्तल ने बावलिया बाबा और श्याम मंदिर में किए दर्शन

आकाश वर्मा, रिपोर्ट टाइम्स | चिड़ावा

प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल ने यहां के प्राचीन बावलिया बाबा मंदिर और श्याम मंदिर में दर्शन कर अपनी आस्था व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय मीडिया से बात करते हुए अपनी खुशी और अनुभव साझा किए। कन्हैया मित्तल ने बताया कि उनकी यह इच्छा थी कि वह चिड़ावा आएं और श्याम बाबा के मंदिर के दर्शन करें, जो आज पूरी हो गई हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा, "इरादे लाख बनते हैं कि बनकर टूट जाते हैं, वही चिड़ावा आते हैं जिन्हें बाबा बुलाते हैं।" यह बात कहते हुए उन्होंने चिड़ावा के श्रद्धालुओं के प्रति भी अपना प्रेम और सम्मान जताया।

भजन गायक ने श्रद्धालुओं को एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि हमें दूर के मंदिरों में जाने से पहले अपने घर और अपने शहर के मंदिरों को पूजना चाहिए। उन्होंने कहा, "मंदिर ईंट, पत्थर या सीमेंट से नहीं, बल्कि हमेशा आस्था से बनते हैं।" कन्हैया मित्तल ने बावलिया बाबा मंदिर को प्राचीन स्थल बताया।

उन्होंने इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि चिड़ावा का यह क्षेत्र दूसरा हरिद्वार है, जहां एक तरफ संत, दूसरी तरफ हनुमंत (झुंझुनू में हनुमान मंदिर) और तीसरी तरफ भगवंत (खाटूश्यामजी) मिलते हैं। उन्होंने पूरे क्षेत्र को तपोभूमि बताते हुए इसे प्रणाम किया।

इस मौके पर भजन गायक के साथ कई भक्त भी मौजूद थे, जिन्होंने उनके जयकारे लगाए। कन्हैया मित्तल ने सूरजगढ़ निशान और दादी रानी सती मंदिर का भी जिक्र किया, जो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा हैं। उनका यह दौरा न केवल एक धार्मिक यात्रा थी, बल्कि स्थानीय लोगों और भक्तों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत भी बन गया।

मैं राम, आप हैं परशुराम...

कमलकांत पुजारी | चिड़ावा

चिड़ावा शहर के डॉ. ओमप्रकाश पचरंगिया मार्ग स्थित डालमियों के नोहरे में रामलीला के दौरान राम ने शिव धनुष तोड़ा और सीता से नाता जोड़ा। इसी दौरान धनुष टूटने से हुई गर्जना से परशुराम का तप भंग हो गया। गुस्साए परशुराम जनक के दरबार मे आये और कहा हे जनक कहो क्या कारण है...ये इतनी भीड़भाड़ क्यों है। शिव धनुष टूटने की बात सुनते ही परशुराम क्रोधित होते है तो इधर लक्ष्मण को भी क्रोध आता है फिर दोनों में नोकझोंक होती है। राम विनम्रता से परशुराम को अवतरण का आभास कराते है। इसके बाद परशुराम का गुस्सा शांत होता है और वो प्रणाम कर महेंद्र पर्वत को चले जाते है। रामलीला स्टेज निदेशक महेश धन्ना ने बताया कि तीसरे दिन लक्ष्मण - परशुराम संवाद, बाणासुर-रावण संवाद, सीता स्वयंवर और अयोध्या को सदानन्द को विवाह की कुमकुम पत्री लेकर भेजने तक की लीला का मंचन किया गया। इस दौरान जनक बने मदनलाल जांगिड़, राम बने पंकज वर्मा, लक्ष्मण बने कृष्णा सेन, परशुराम बने रमेश कोटवाल, रावण बने संतोष अरड़ावतिया, बाणासुर बने सांवरमल गहलोत, विश्वामित्र बने महेंद्र भारतीय, सीता बने सुनील महारानियां, जनक रानी और सखी बने रवि भारतीय, ढोलकपुर राजा बने भूपेंद्र दायमा, मंत्री बने अविनाश सेन, पंडा बने डॉ. चंद्रमौलि पचरंगिया, मोतीलाल शर्मा, मेंहदी हसन आदि ने शानदार प्रस्तुति देकर खूब दाद बटोरी। रामलीला में प्रतिदिन लक्की ड्रा भी निकाला जा रहा है। जिसके तहत तीन भाग्यशाली विजेताओं को प्रतिदिन इनाम दी जा रही है। परिषद के बैक स्टेज निदेशक किशोरकुमार नायक ने बताया कि गुरुवार को राम-निषाद मिलन, भरत-निषाद संवाद और भरत राम मिलन की लीला मंचित की जाएगी।